April 2015 - September 2015 Vol. 9 (1) अप्रैल 2015 - सितम्बर 2015 अंक 9 (1)

Director's Desk

"There is no tool for development more effective than the empowerment of women- Kofi Annan". Through its nineteen years of journey, ICAR- CIWA has been trying to address the pressing issues of women's lack of access to technologies, resources, work participation, drudgery etc. by the development, assessment and refinement of technologies with women's perspectives through the in house, collaborative, external and AICRP projects. The institute has been creating opportunities for employment and income generation and also reduction of drudgery among farm women. ICAR-CIWA has organized a National Symposium on 'Women's Land Rights, Access to Agri-resources and Services in Changing Development Scenario' in collaboration with Oxfam India during 19th-21st August, 2015. The deliberations on the status of women's land rights in India, policies and institutional mechanisms to improve women's access to land & other resources and their impact on livelihood and agriculture, extension services and market linkages for women farmers and women's access to credit and agri-inputs has provided impetus to attaining the vision of the institute.

Srivastava
(S.K.Srivastava)

निदेशक की कलम से...

कोफी अन्नान ने कहा था – कि विकास के लिए कोई उपकरण महिलाओं के सशक्तिकरण से ज्यादा प्रभावी नहीं है। अपनी यात्रा के उन्नीस सालों से भा.कृ.अनु.प. – के.कृ.म.सं. महिलाओं के अहम मुद्दों जैसे प्रौद्योगिकियों, संसाधनो, कार्य भागीदारी की कमी, कठिन परिश्रम आदि को विकास, मूल्यांकन एवं शोधन द्वारा संस्थान की, सहियोगी, बाहरी और अखिल भारतीय परियोजनाओं के माध्यम से संबोधित करने की कोशिश कर रहा है। संस्थान, कृषक महिलाओं के कठिन परिश्रम को कम करने, तथा रोजगार और आय सृजन के लिए अवसर पैदा करने की ओर प्रयासरत है। भा.कृ.अनु.प. – के.कृ.म.सं. ने ऑक्सफैम इंडिया के सहियोग से 19-21 अगस्त, 2015 के दौरान एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया था जिसका विषय था 'महिला भूमि अधिकार, कृषि संसाधनों तक पहुॅच एवं विकास के बदलते परिदृश्य में सेवाएं'। इस संगोष्ठी में मुख्यत: भारत में महिलाओं के भूमि अधिकारों की स्थिति, नीतियों तथा संस्थागत तंत्र द्वारा महिलाओं की पहुॅच, भूमि तथा अन्य संस्थानों को बढ़ाने तथा उसकी आजीविका, कृषि विस्तार सेवाओं, कृषक महिलाओं का बाजार से लिंकेज तथा महिलाओं की केडिट और कृषि आदानों तक पहुंच आदि विषयों पर विचार-विमर्श किया गया जिसने संस्थान का विजन प्राप्त करने में मार्गदर्शन किया।

सन्तोष श्रीवास्तव
(एस. के . श्रीवास्तव)

RESEARCH HIGHLIGHTS

Multi Agency Participatory Extension Model (MAPEM) for livelihood improvement of rural women through backyard poultry

Under the impact assessment of the project, six out of eight Youth Care Group (YCG) members in three villages were able to use the existing *Mother Units as Service Units*. They were able to independently contact the agencies (ICAR-CIWA, CPDO, OPOLFED, AH Dept) to purchase one day chicks (RIR) variety, feed, vaccination, rear in Mother Units and after one month to sale those birds to other interested women with profit. In one adjoining hamlet of Haridamada village, a general awareness has been created for backyard poultry with *RIR* variety which have been started by 15 women of the village.

Engendering millet based value chains for promoting livelihood opportunities of farmwomen

Field studies were conducted in two millet producing villages viz., Durganagehalli and Biachenahalli, near Hirehalli in Tumkur district of Karnataka and had focused group discussions and in-depth household surveys with primary producers. The technology adoption in millet production and processing, post harvest processing, value addition, nodes in the marketing chain, and the role of women in different nodes of value chain were also studied. Along the value chain, women's role was found as producers, processors and entrepreneurs. The major roles of women in ragi value chain was found to be in seed management (53%), weeding (66%), cleaning the grain (60%), storage (45%) and transportation to flour mills (40%).

Assessment of integrated farming model for improved food security and livelihood in rural household

A cluster of eight village of Mahanga block of Cuttack district was selected for action research of IFS, in the east and south east coastal plain agro climatic zone of Odisha. As per the socio-economic data analysis of 320 households (40 from each village), 35 per cent of the respondents belonged to the age group of 41-50 years, followed by 33.7 per cent respondents in the age group of 51-60 years, 57.6 per cent of the households

अनुसंधान उपलब्धियाँ

पिछवाड़े मुर्गी पालन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं की आजीविका में सुधार के लिए मल्टी एजेंसी भागीदारी एक्सटेंसन मॉडल (MAPEM)

परियोजना के प्रभाव के ऑकलन के तहत तीन गॉवों के आठ में से छः YCG सदस्य मौजदा इकाइयों को सेवा इकाइयों के रूप में उपयोग करने में सक्षम थे। वे स्वतंत्र रूप से विभिन्न ऐजेसियों (ICAR-CIWA, CPDO, OPOLFED, AH विभाग) से एक दिन का चूजा, फीड, टीका, चूजों को मदर इकाइयों में पालने तथा एक महीने बाद इच्छुक महिलाओं को लाभ के साथ बेचने में सक्षम पाए गए। हरिड़ामड़ा गॉव के आसपास एक सामान्य जागरूकता अभियान, विशेष किस्म पालने के लिए चलाया गया, जिसे गॉव की 15 महिलाओं ने शुरू किया।

कृषक महिलाओं की आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए मडुआ बाजार श्रृखंला में जैंडर भागीदारी बढ़ाना

कर्नाटक के तुमकुर जिले के हीराहल्ली के नजदीक, दो गॉवों दुर्गानगहेल्ली और बाइचनाहल्ली गॉवों के मडुआ के प्राथमिक उत्पादकों का गहराई से घरेलू सर्वेक्षण एवं समूह चर्चा की गई। मडुआ उत्पादन एवं प्रसंस्करण, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संर्वधन, मूल्य श्रृंखला के विभिन्न नोडस में प्रौद्योगिकी अपनाना तथा मूल्य श्रृंखला के विभिन्न नोडस में महिलाओं की भूमिका का अध्ययन किया गया। मूल्य श्रृंखला में महिलाओं की भूमिका उत्पादकों, प्रसंस्करणकर्ता एवं उद्यमी के रूप में ऑकी गई। मडुआ मूल्य श्रृंखला में महिलाओं की मुख्य भूमिका बीज प्रबंध (53%), निराई (66%), मडुआ की सफाई (60%), भण्डारण (45%), एवं आटा चक्की तक ले जाने (40%), पायी गई।

ग्रामीण परिवारों में खाद्य सुरक्षा तथा आजीविका के लिए समन्वित खेती मॉडल का ऑकलन

ओडिशा के दक्षिण पूर्वी तटीय मैदानी कृषि जलवायु क्षेत्र में, कटक जिले के महँगा ब्लॉक के ऑठ गॉवों के एक क्लस्टर को समन्वित खेती मॉडल के ऑकलन के लिए चुना गया। 320 (40 परिवार प्रत्येक गॉव से) परिवारों के सामाजिक-आर्थिक डेटा विश्लेषण के अनुसार, उत्तरदाताओं का 35 प्रतिशत 51-60 आयु वर्ष तथा 33.7 प्रतिशत 41-50 वर्ष का पाया गया। परिवारों में 57.6 प्रतिशत

belonged to the general caste category followed by OBC of 27.6 per cent, SC (14.3%) and ST (0.3%). Only 2 per cent of the households were female headed. Maximum households (40%) had education up- to primary followed by 32 per cent graduate 8 per cent were illiterate. Joint families formed 76 per cent of the households. The primary occupation of the surveyed households was farming (90%) and labour (14.3%) was the secondary occupation. 78.4 per cent households had a family size of 2-6 members and 1.2 per cent of the households had 16-19 members in their family. While ascertaining the land holdings, it was found that 50.6 per cent households were having 1-2.5 acres of irrigated land followed by 20.5 per cent households having non-irrigated (1-2.5 acre) land. 38.4 per cent of the households had homestead (<1 acre) land, 15.6 per cent had orchard (1 - 2.5 acre) and 14.6 per cent of the families had backyard ponds (< 1 acre). As per the resource availability and willingness of the respondents, ten households were randomly identified for developing IFS. Out of ten households, six are from general caste category; three belong to OBC and one to SC category. Out of ten models, four are Crop + Hort. +Fishery + Duckery, two are Crop + Hort. + Dairy+ Honeybee+ Mushroom, and four are Crop+ Hort. + Poultry + Mushroom.

Technological interventions for drudgery reduction with increased work efficiency through women friendly farm tools/equipment/ technologies in Odisha

Based on the acreage of kharif, five districts of Odisha viz., Cuttack (Rice), Dhenkanal (Maize), Kendrapada (Groundnut), Rayagada (Cotton) and Ganjam (Vegetables) were identified to assess the participation of farmwomen in different farm activities. Interaction was made with farmwomen of

सामान्य जाति वर्ग, 27.6 प्रतिशत पिछडा वर्ग, 14. 3 प्रतिशत अनुसूचित जाति वर्ग तथा 0.3 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति वर्ग में पाए गए। केवल दो प्रतिशत परिवार महिला अहमदाता वाले थे। अधिकतर परिवार (40%) प्राथमिक शिक्षा, 32 प्रतिशत स्नातक और केवल आठ प्रतिशत उत्तरदाता अशिक्षित थे। 76 प्रतिशत परिवार संयुक्त पाए गये। सर्वेक्षण किए गए परिवारों में 90 प्रतिशत परिवारों का प्राथमिक व्यवसाय खेती और माध्यमिक व्यवसाय (14.3%) श्रम था। 78.4 प्रतिशत परिवारों में 2-6 सदस्य जबकि 1.2 प्रतिशत परिवारों में 16-19 सदस्य थे। जमीन की स्थिति पता करने पर यह पाया गया कि 50.6 प्रतिशत परिवारों के पास 1-2.5 एकड़ सिचिंत जमीन थी जबकि 20.5 प्रतिशत परिवारों के पास 1-2.5 एकड़ असिंचित भूमि थी। 38.4 प्रतिशत परिवारों के पास 1 एकड़ रियासत भूमि, 15.6 प्रतिशत परिवारों के पाश 1-1.25 एकड़ बगीचा तथा 14.6 प्रतिशत परिवारों के पास 1 एकड़ से कम का तालाब पिछवाड़े पाया गया। संसाधनों की उपलब्धता तथा उत्तरदात्ताओं की इच्छानुसार, दस घरों को समन्वित कृषि मॉडल के लिए चुना गया। चुने गए 10 परिवारों में छ: सामान्य जाति वर्ग, तीन अन्य पिछड़ा वर्ग तथा एक अनुसूचित जाति वर्ग के हैं। दस मॉडलों में से चार-फसल+बागवानी+मत्स्य+बतख, दो-फसल + बागवानी + डेयरी + मधुमक्खी पालन+खुम्भी, एवं चार-फसल+ बागवानी+मुर्गी पालन+ खुम्भी हैं।

ओडिशा में महिला अनुकूल कृषि यंत्र/ उपकरणों तथा प्रौद्योगिकियो एवं तकनीकी हस्तक्षेप से कठिन परिश्रम कम करना तथा कार्य कुशलता बढ़ाना (RKVY)

ओडिशा राज्य के पॉच जिलों कटक (धान), ढेंकानल (मक्का), केन्द्रापाड़ा (मूँगफली), रायगढ़ (कपास) और गंजाम (सब्जी) का चयन खरीफ में बोए जाने वाले रकबे को देखते हुए इन फसलों में महिलाओं की विभिन्न कार्यों में भागीदारी जानने के लिए चुना गया। सब्जी की खेती में

Ganjam district to know the participation of women in vegetable cultivation. It was observed that in vegetable cultivation, 100% women involved in weeding and harvesting and the lowest involvement was in fertilizer application (23%).

महिलाओं की भागीदारी एवं भूमिका जानने के लिए गंजाम जिले की महिलाओं से चर्चा की गई। यह पाया गया कि सभी महिलाएं निराई एवं तुड़ाई का कार्य करती हैं जबकी केवल 23 प्रतिशत महिलाएं उर्वरक डालने का काम करती हैं।

TRIBAL SUB PLAN

Multi-sectoral package of practices for nutrition and livelihood enhancement of tribal families

Under the tribal sub plan, four field level programmes covering 160 tribal farm families, consisting of an awareness creation cum skill upgradation programme on improved methods of vegetable cultivation, a stakeholder meeting for assessing the seed needs, input support programme by distributing mini kits of seeds such as beans and green leafy vegetables and an advisory on the drudgery reducing implements and tools for harvesting, stripping, and decorticating groundnut, were conducted in two tribal villages in Gajapati and Mayurbhanj districts in Odisha.

A case study on status and challenges in land rights among the tribal women was also conducted in two tribal villages in Gajapati and Mayurbhanj districts in Odisha.. The study revealed that 94 per cent of tribal farm women do not own land, and only about 6 per cent of tribal women own their land, either through inherited from husband being women headed families (4%), or through inheritance from parental families (2%). Although they lacked ownership rights, 88 per cent of them had control rights, which is related to decision making on land use pattern, and 98 per cent had access rights which is related to use of the land for productivity.

जनजातीय उप योजना

आदिवासी परिवारों की आजीविका और पोषण बढ़ाने के लिए बहुक्षेत्रीय पैकेज

जनजातीय उपयोजना के तहत चार क्षेत्र स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन ओडिशा के गजपति एवं मयूरभंज जिले के दो गॉवों में 160 जनजातीय परिवारों में किया गया, ये कार्यक्रम थे – सब्जी की उन्नत खेती के लिए जागरूकता सृजन सह कौशल उन्नयन कार्यक्रम, बीज की जरूरत का ऑकलन करने के लिए एक हितधारक बैठक, बीन्स और हरी पत्तेदार सब्जियों के बीज के मिनी किट वितरण द्वारा इनपुट सहायता कार्यक्रम, और कठिन परिश्रम कम करने तथा मूगफली की कटाई, अलग करना तथा बीज बाहर निकालने के लिए यंत्र पर एक सलाहकार कार्यक्रम। आदिवासी महिलाओं के भूमि अधिकारों में स्थिति एवं चुनौतिओं का एक अध्ययन ओडिशा के गजपति एवं मयूरभंज जिले के दो आदिवासी गॉवों में किया गया। अध्ययन में यह पाया गया कि 94 प्रतिशत महिलाओं के नाम भूमि नहीं है, केवल छह प्रतिशत महिलाओं के नाम पर भूमि है जिसमें चार प्रतिशत महिलाओं को पति से विरासत में, महिला नेतृत्व परिवार के कारण तथा दो प्रतिशत अपने पैतृक परिवार से उत्तराधिकार के माध्यम से मिली। महिलाओं में भूमि स्वामित्व के अधिकार का अभाव है। लेकिन 88 प्रतिशत महिलाओं का नियंत्रण जमीन पर है जिसमें वे भूमि उपयोग करने का निर्णय ले सकती हैं तथा 98 प्रतिशत महिलाओं को उत्पादकता के लिए जमीन के उपयोग के अधिकार प्राप्त थे।

MAJOR EVENTS

16th Meeting of Research Advisory Committee

The 16th Meeting of Research Advisory Committee (RAC) of the ICAR-Central Institute for Women in

मुख्य आयोजन

अनुसंधान सलाहकार समिति की 16वीं बैठक

अनुसंधान सलाहकार समिति की 16वीं बैठक भा.कृ.अनु.प. के.कृ.म.सं., भुवनेश्वर में 8-9 अप्रैल, 2015 को आयोजित

Agriculture was held on 8-9 the April 2015 at the institute in Bhubaneswar. The meeting was chaired by Dr. Vinita Sharma, the Chairperson of RAC and former Head, Science for Equity, Empowerment & Development, DST, New Delhi. Members of the Committee who attended the meeting were Dr. R. Rengalakshmi, Principal Coordinator, Gender and Grass-roots Institutions at MRRSF, Chennai, Dr. P. S. Pandey, ADG(EP&HS), ICAR, Dr. S.K. Srivastava, Director (Acting), ICAR-CIWA and Dr. H.K.Dash, Senior Scientist, ICAR-CIWA. Besides the committee members, 12 scientists of ICAR-CIWA also attended the meeting. Action Taken Report of 15th RAC, research achievements and planned projects of the institute were presented followed by discussion. The Committee also made recommendations to make ICAR-CIWA and its research programmes more effective.

15th Meeting of Institute Research Council

The 15th Institute Research Council (IRC) Meeting of the ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar was held on 10th April, 2015 under the Chairmanship of Dr. S. K. Srivastava, Director(Acting), ICAR-CIWA, Bhubaneswar to review the progress of research projects. In the opening remarks, the Chairperson highlighted the expectations of the RAC of ICAR-CIWA, and stressed the Members to incorporate the comments of RAC in carrying forward the research and extension activities of the Institute. He also advised the member scientists to timely publish the research output in high rated journals, and strive for the greater visibility, name and fame of the Institute to take it to greater heights. A total of 23 projects, including four new collaborative projects, one new outreach, two new flagship projects, three completed projects, 12 ongoing projects and Gender in Agriculture Partnership (GAP) were discussed.

Review meeting of AICRP Home Science

A review meeting of AICRP on Home Science was held at the National Institute of Occupational Health,

की गई। बैठक की अध्यक्षता डा विनीता शर्मा, अध्यक्ष आरएसी, पूर्व प्रमुख समानता के लिए विज्ञान, सशक्तिकरण एवं विकास, डी एस टी, नई दिल्ली ने की। बैठक में हिस्सा लेने वाले अन्य सदस्य थे - डा आर रेगांलक्ष्मी, प्रधान समन्वयक जेन्डर एवं जमीनी संस्थान, एमएस स्वामीनाथन रिर्सच फाउण्डेशन, चेन्नई, डा पी.एस. पाण्डे, सहायक महानिदेशक (शिक्षा योजना एवं गृह विज्ञान), डा एस.के. श्रीवास्तव, कार्यवाही निदेशक, भा.कृ. अनु.प. - के.कृ.म.सं. एवं डा एच.के.दाश, प्रधान वैज्ञानिक एवं सदस्य-सचिव, भा.कृ.अनु.प. - के.कृ.म.सं.। समिति के सदस्यों के अलावा संस्थान के 12 वैज्ञानिकों ने भी बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में 15वीं आरएसी की कार्रवाई रिर्पोट, अनुसंधान उपलब्धियों, संस्थान की इस योजना की परियोजनाओं पर चर्चा की गई। समिति ने भा.कृ.अनु.प. - के.कृ.म.सं. और यहाँ की अनुसंधान परियोजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने की अनुशंसा की।

संस्थान अनुसंधान परिषद की 15वीं बैठक

संस्थान की 15वीं अनुसंधान परिषद की बैठक का आयोजन निदेशक डॉ एस.के.श्रीवास्तव की अध्यक्षता में 10 अप्रैल 2015 को भा.कृ.अनु.प. - के.कृ.म.सं. में अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा करने के लिए किया गया। अपने उद्‍बोधन भाषण में अध्यक्ष ने भा.कृ.अनु.प. - के.कृ.म.सं. की आ.ए.सी की उम्मीदों पर प्रकाश डाला तथा सदस्यों को अपने अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों में आर.ए.सी सुझाव को शामिल करने पर बल दिया। उन्होंने वैज्ञानिकों को अपने अनुसंधान कार्य को उच्च श्रेणी के जर्नल में समय से प्रकाशित करने तथा संस्थान के अधिक दृश्यता, नाम तथा प्रसिद्धि के लिए प्रयास करने पर बल दिया। बैठक में कुल 23 परियोजनाओं जिनमें चार नई सहयोगी परियोजनाएं, एक नया आउटरीच, दो नए फलैगशिप, पूरी हुयी तथा बारह चल रही परियोजनाओं एवं कृषि भागीदारी में जेंडर (GAP) पर चर्चा की गई।

गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की समीक्षा बैठक

गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की एक दिवसीय समीक्षा बैठक 5 जून, 2015

Ahmedabad on 5th June, 2015 to review the research achievements accomplished during the year 2014-15 and prepare the action plan for the ongoing projects during 2015-16. Unit Coordinators from each centre of all the ten Centres and Technical Coordinators of all five components of AICRP on Home Science and Director & Scientist-in-charge, AICRP on Home Science of ICAR-CIWA attended the meeting. Dr P.S. Pandey, Assistant Director General (Education Planning & Home Science), ICAR, New Delhi graced the occasion as a Chief Guest and Dr Sunil Kumar, Director, NIOH, Ahmedabad was the Guest of Honour.

International Day of Yoga observed at ICAR-CIWA

The International Day of Yoga was observed at ICAR-CIWA, Bhubaneswar on 21[st] June 2015 as UN has declared 21[st] June as International Day of Yoga. on this Day, cutting across all age groups, the staff members of ICAR-CIWA along with their families participated in the Yoga session between 7:00 and 7:30 hrs, at the ICAR-CIWA premises. Awareness was also created among the participants about the benefits of Yoga.

Meeting of Quinquennial Review Team

The Quinquennial Review Team (QRT) held a meeting at ICAR-CIWA on 27[th] and 28[th] June 27 -28, 2015 under the Chairmanship of Dr P. Das, Ex-Deputy Director General (Ag. Extn) to discuss and prepare the draft report of the QRT. The team discussed in detail the ongoing activities of the Institute and the past achievements under the period of review. The team also discussed the activities of AICRP (Home Science) centres and the field visits undertaken by the team to various AICRP (HS) centres: MPUAT, Udaipur, CSK HPKV Palampur , PAU, Ludhiana and AAU, Jorhat. The QRT meeting was attended by the members Dr Vandana Dwivedi and Dr Ratna Tiwari and the member secretary Dr V.P. Chahal. Dr S.K. Srivastava, Director (Actg.) ICAR-CIWA also participated in the

को व्यावसायिक स्वास्थ्य संस्थान, अहमदाबाद में आयोजित की गयी और इसके अधिनस्थ पांच विषयों में कार्यरत 10 केन्द्रों के सभी इकाई समन्वयकों, तकनीकी समन्वयों एवं भा.कृ.अनु.प-के.कृ.म.सं, भुवनेश्वर के कार्यवाही निदेशक और वैज्ञानिक प्रभारी, अ.भा.स.अनु.प-(गृहविज्ञान) ने भाग लिया। डॉ पी.एस.पांडे, सहायक महानिदेशक (शिक्षा योजना एवं गृह विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली मुख्य अतिथि एवं डॉ सुनील कुमार, निदेशक, एनआईओएच, अहमदाबाद सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

भा.कृ.अुन.प. - के.कृ.म.सं. में अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया है जिसका आयोजन संस्थान में 21 जून 2015 को किया गया। इस दिवस पर भा.कृ.अुन.प. - के.कृ.म.सं. के सदस्यों एवं उनके परिवारों के सभी आयु वर्गो के लोगों ने 21 जून 2015 को सुबह 7 - 7.30 बजे के बीच योग सत्र में भाग लिया। योगा के महत्व के बारे में सभी प्रतिभागियों के बीच जागरूकता पैदा की गई।

पंच वार्षिक समीक्षा टीम की बैठक

क्यू.आर.टी पर चर्चा और मसौदा रिपोर्ट तैयार करने के लिए पंचवार्षिक समीक्षा टीम की बैठक डा. पी. दास, पूर्व उपमहानिदेशक (कृषि विस्तार) की अध्यक्षता में 27-28 जून, 2015 को भा.कृ.अुन.प. - के.कृ.म.सं. में आयोजित की गई। टीम ने समीक्षा की अवधि में संस्थान की चल रही गतिविधियों एवं अतीत की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की। टीम ने अ.भा.स.अनु.प (गृह विज्ञान) केन्द्रों की गतिविधियां एवं टीम द्वारा किए गए क्षेत्र के दौरे पर भी चर्चा की, ये केन्द्र एम.पी.यूएटी, उदयपुर, सीएसकेएचपीकेवी, पालमपुर, पीएयू, लुधियाना एवं एएयू, जोरहाट थे। क्यू.आर.टी की बैठक में सदस्य डा. वन्दना द्विवेदी, तथा डा. रत्ना तिवारी, सदस्य-सचिव डा. वी.पी. चहल एवं निदेशक भा.कृ.अुन.प. - के.कृ.म.सं. डा. एस.

discussions and explained the various activities being undertaken by the Institute. The meeting was co-ordinated by Dr Anil Kumar, Principal Scientist ICAR-CIWA and Ms Gayatri Maharana, Scientist assisted the team in compilation of the report.

National Symposium on Women's Land Rights, Access to Agri-resources and Services in Changing Development Scenario

A National Symposium on 'Women's Land Rights, Access to Agri-resources and Services in Changing Development Scenario' was organized by ICAR-Central Institute for Women in Agriculture (ICAR-CIWA) and Oxfam India during 19th-21st August, 2015 at ICAR-CIWA, Bhubaneswar to deliberate on status of women's land rights in India, policies and institutional mechanisms to improve women's access to land, other resources and their impact on livelihood and agriculture, extension services and market linkages for women farmers and women's access to credit and agri-inputs. About 100 stakeholders, including researchers, policy makers, development practitioners and academicians from different parts of the country and farm women from nearby districts participated in the programme. Dr. N. S. Rathore, Deputy Director General (Agricultural Education), ICAR, New Delhi was the Chief Guest in the inaugural session. In his address, he emphasized the need for giving women due share in access and control over land and other agricultural resources, which are critical for the betterment of their livelihood, empowerment and sustainable agricultural growth. Earlier, Dr. S. K. Srivastava, Director (Acting), ICAR-CIWA, welcomed all the delegates, and reiterated the need for collection and consolidation of gender disaggregated data on land rights. Other guests who spoke in the inaugural session were Prof. Asha Hans, Director, Sansristi, Mr. A.K. Biswal, Regional Manager,

के.श्रीवास्तव ने भाग लिया तथा संस्थान में चल रही विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। बैठक का समन्वय डा. अनिल कुमार, प्रधान वैज्ञानिक ने तथा रिपोर्ट संकलन में मदद सुश्री गायत्री महारणा, वैज्ञानिक ने की।

महिला भूमि अधिकार, कृषि संसाधनों तक पहुँच तथा विकास के परिदृश्य में सेवाएं पर राष्ट्रीय सेगोष्ठी

महिला भूमि अधिकार, कृषि संसाधनों तक पहुँच तथा विकास के परिदृश्य में सेवाएं पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन ऑक्सफैम इण्डिया के सहियोग से भा.कृ.अनु.प. - के.कृ.म.सं. में 19-21 अगस्त, 2015 के दौरान किया गया। चर्चा के मुख्य विषय भारत में महिलाओं के भूमि अधिकारों की स्थिति, महिलाओं की भूमि तक पहुँच बढ़ाने के लिए नीतियाँ तथा संस्थागत तंत्र, अन्य संसाधन तथा उनका आजीविका तथा कृषि पर प्रभाव, महिलाओं के लिए विस्तार सेवाएं तथा बाजार संबंध और कृषि आदानों तथा ऋण तक महिलाओं की पहुँच। देश के विभिन्न भागों के लगभग 100 प्रतिभागी जिनमें शोधकर्त्ता, शिक्षाविद, नीति निर्माता, विकास अधिकारी तथा आसपास के जिलों की कृषक महिलाएं शामिल हैं, ने भाग लिया। डा. एन.एस. राठौड, उपमहानिदेशक (कृषि शिक्षा), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली, उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि थे। इन्होंने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं को जमीन तथा कृषि संसाधनों का अधिकार एवं नियंत्रण देने की जरूरत है जो कि उनके बेहतर आजीविका, सशक्तिकरण और टिकाउ कृषि विकास के लिए महत्वपूर्ण है। इससे पूर्व निदेशक, भा.कृ.अनु.प-के.कृ.म.सं. डा. एस. के श्रीवास्तव ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया तथा भूमि अधिकारों पर जेन्डर अनुसार डेटा के संग्रह और समेकन की आवश्यकता को दोहराया। अन्य अतिथि जिन्होने उद्घाटन समारोह में अपने विचार व्यक्त किए - प्रो.आशा हंस, निदेशक सनसृष्टि, श्री ए.के. विस्वाल, क्षेत्रीय प्रबंधक, ऑक्सफैम इण्डिया, और श्री अम्बिका प्रसाद नन्द,

Oxfam India and Mr. Ambika Prasad Nanda, Head, CSR Tata Steel. Dr H.K.Dash was the Organizing Secretary, while Dr. Jyoti Nayak and Dr. Ananta Sarkar were the Joint Organizing Secretaries of the symposium.

प्रमुख, सी.एस.आर.टाटा स्टील थे। डा. ज्योति नायक और डा. अनंत सरकार संगोष्ठी के संयुक्त आयोजन सचिव जबकि डा.एच.के. दाश, आयोजन सचिव थे।

MERA GAON MERA GOURAV (MGMG) INITIATIVE

Total 20 villages have been selected by 4 Scientists Teams in 2 districts (Puri and Cuttack) covering five blocks (Cuttack Sadar, Baranga, Sakhigopal, Athagara and Nimapara) under MGMG Initiative by ICAR-CIWA. The baseline data collection is in progress in all the selected villages.

मेरा गॉंव मेरा गौरव पहल

भा.कृ.अनु.प. - के.कृ.म.सं ने मेरा गॉंव मेरा गौरव पहल के तहत 2 जिलों कटक और पुरी के पॉंच ब्लॉक (कटक सदर, बांरग, सत्यवादी, अस्तरंग तथा निमापाड़ा) के 20 गॉंवों को चार वैज्ञानिक टीमों द्वारा चयनित किया गया। सभी चयनित गॉंवों में आधारभूत डेटा संग्रह का कार्य प्रगति पर है।

Interactions with the key Informants in the first Visit

CONTINGENCY PLAN TO TACKLE FLOOD SITUATION IN ODISHA

As a part of the implementation of contingency plan in aberrant weather-prone areas in Odisha, group discussions and farm visits were conducted by the Scientists of ICAR-CIWA, Bhubaneswar in Nua Sahi of Tikarpada village in Angul district on 30th April, 2015. Problems related to integrated farming and insect-pest management were discussed. In Jajpur district, an awareness programme on scientific management of fish culture ponds was conducted in the village Sankharidiha of Dharmasala block on 5th May, 2015. Farmers were made aware about govt. schemes and technologies related to agriculture as per the discussions made with Assistant Agriculture Officers of Dharmasala Block, Jajpur on 28th July, 2015. A farmers- scientists interface was also conducted in the

ओडिशा में बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए आपात योजना

ओडिशा के अनियमित मौसम की आशंका वाले क्षेत्रों में आपात योजना के कार्यान्वयन के एक भाग के रूप में भा. कृ.अनु.प. - के.कृ.म.सं के वैज्ञानिकों द्वारा अंगुल जिले के टिकरपारा गॉंव के नुआसाही में 30 अप्रैल 2015 को समूह चर्चा तथा खेत का दौरा किया गया। एकीकृत कृषि और कीट प्रबंधन से संबंधित समस्याओं पर चर्चा की गई। जाजपुर जिले के धर्मशाला ब्लाक के सकारीडीहा गॉंव में मछली पालन तालाबों का वैज्ञानिक प्रबंधन पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 5 मई, 2015 को किया गया । 28 जुलाई 2015 को धर्मशाला ब्लॉक के सहायक कृषि अधिकारी के साथ चर्चा कर किसानों को कृषि संबंधित सरकार की योजनाओं तथा तकनीकियों के बारे में अवगत कराया गया। गॉंव में 15 सितम्बर 2015 को एक

Advisory service in Tikarpada

village on 15th September, 2015. The village being rainfed, the farmers were advised to set up lift irrigation facility. The rural women were made aware of the importance of setting up nutrition garden in their backyards. The farmers' queries on deficiency diseases in paddy was addressed. In Mayurbhanj district, field visits were made to the tribal village Tarajodi in Shamakhunta block on 26th May, 2015, and advisories were issued on the drudgery reducing implements and tools for harvesting, stripping, and decorticating groundnut.

किसान-वैज्ञानिक इण्टरफेस का आयोजन भी किया गया। चूँकि गॉव वर्षा आधारित है अत: किसानों को लिफ्ट सिंचाई सुविधा स्थापित करने के लिए सुझाव दिया गया। ग्रामीण महिलाओं को अपने घर के पिछवाड़े पोषण वाटिका लगाने के महत्व से अवगत कराया गया। धान में कमी रोगों पर किसानों के प्रश्नों को संबोधित किया गया। मयूरभंज जिले के शामाखुन्टा ब्लॉक के आदिवासी गॉव ताराजोडी में 26 मई 2015 को क्षेत्र दौरा किया गया और कठिन परिश्रम कम करने वाले उपकरण एवं यंत्र तथा मूँगफली को अलग करने तथा छीलने वाले यंत्र के बारे में परामर्श दिया गया।

SWACHH BHARAT ABHIYAN

As part of the ongoing 'National Sanitation Campaign', on-campus weekly 'Cleanliness Drives' were regularly organized at ICAR-Central Institute for Women in Agriculture (ICAR-CIWA) premises, Bhubaneswar.

All the staff members participated in the mass cleanliness drives for about two hours from 16:00 Hrs to 18:00 Hrs on every working Saturdays.

"Intensive Swachhta Abhiyan" was also observed during 25th September-11th October, 2015. Further, the Institute, through its Headquarters and AICRP on Home Science Centres, conducted awareness campaigns in its adopted villages involving farm women, farmers, school children and rural youth. The 'Swachh Bharat Mission' has been integrated with the ToT programmes of the Institute such as field days, technology demonstrations, on and off-farm training programmes in its area of operation. Through the off-campus programmes, the farm families were sensitized about Swachch Bharat Mission, and awareness was created about hygiene, sanitation and prompt disposal of household and farm wastes.

स्वच्छ भारत अभियान

राष्ट्रीय स्वच्छ भारत अभियान के हिस्से के रूप में नियमित रूप से साप्ताहिक स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन भा.कृ. अनु.प. - के.कृ.म.सं परिसर में किया जा रहा है। संस्थान के सभी सदस्य प्रत्येक शनिवार को शाम 4 बजे से 6 बजे तक लगभग दो घंटे बड़े पैमाने पर साफ-सफाई ड्राइव में भाग लेते है। गहन स्वच्छता अभियान भी 25 सितम्बर - 11 अक्टूबर, 2015 के दौरान पालन किया गया। इसके अलावा संस्थान अपने मुख्यालय तथा अ.भा.स.अनु.प (गृहविज्ञान) केन्द्रों के माध्यम से कृषक महिलाओं, किसानों स्कूली बच्चों तथा युवाओं में, अपने अपनाए हुए गॉवों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। 'स्वच्छ भारत अभियान' को संस्थान के टीओटी कार्यक्रम जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रम, फील्ड डे, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन तथा ऑफ फार्म कार्यक्रमों के माध्यम से गॉवों में एकीकृत किया गया है। परिसर के बाहर होने वाले कार्यक्रमों के द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के बारे में कृषक परिवारो में जागरूकता अभियान चलाकर स्वच्छता, साफ-सफाई तथा घर और खेत के कचरे के शीघ्र निपटारे के बारे में बताया जा रहा है।

Cleanliness drives at ICAR-CIWA Premises and adopted villages

EXTENSION ACTIVITIES/TRAININGS/WORKSHOPS/INTERFACE MEETINGS CONDUCTED

ICAR Sponsored Short Course on Promoting occupational safety and drudgery reduction among farm women

ICAR sponsored Short Course on "Promoting occupational safety and drudgery reduction among farmwomen" was organized for 10 days from 1st-10th August, 2015 at ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar. A total of 24 participants from seven states including Odisha, Jharkhand, Bihar, Karnataka, Mizoram, Arunachal Pradesh and Manipur attended the training programme. The training programme was conducted through leetires, brainstorming sessions, video shows, field visits, session on research project formulation etc. The Short Course

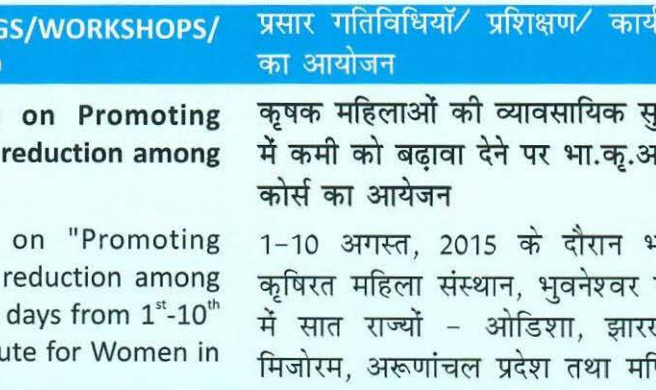

प्रसार गतिविधियॉं/ प्रशिक्षण/ कार्यशाला/ इंटरफेस वैठकों का आयोजन

कृषक महिलाओं की व्यावसायिक सुरक्षा और कठिन परिश्रम में कमी को बढ़ावा देने पर भा.कृ.अनु.प द्वारा प्रायोजित लघु कोर्स का आयेजन

1-10 अगस्त, 2015 के दौरान भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में किया गया। प्रशिक्षण में सात राज्यों - ओडिशा, झारखण्ड, बिहार, कर्नाटक, मिजोरम, अरूणांचल प्रदेश तथा मणिपुर के 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन व्याख्यान, बुद्धिशीलता सत्र, बीडियो शो, पावर प्वाइंट, क्षेत्र का दौरा तथा अनुसंधान परियोजना के निर्माण पर सत्र आदि के माध्यम से किया गया। लघु कोर्स का

was coordinated by Dr Jyoti Nayak, Dr Abha Singh, Dr L. P. Sahoo, Miss Gayatri Moharana and Dr S. D. Argade.

ICAR sponsored Short Course on 'Strengthening Gender Perspective in Agricultural Research and Extension'

The ICAR sponsored Short Course on 'Strengthening Gender Perspective in Agricultural Research and Extension' was organized during 1st-10th September, 2015 at ICAR-CIWA, Bhubaneswar. The programme was inaugurated by the Chief Guest Shri Panchanan Kanungo, Former Minister of Finance, Govt. of Odisha in the presence of the Guest of Honour Shri Dillip Kumar Satpathy, Bureau Chief, Business Standard and Dr. S. K. Srivastava, Director (Acting), ICAR-CIWA, on 1st September, 2015. Twenty two participants comprising 18 women and (4) men from seven states attended the ICAR sponsored Short Course. A total of 27 theoretical and practical classes were covered in the programme. The Course was organized to orient the participants on different gender related concepts and their importance in agriculture, help the participants identify and understand gender issues in their research domains and enable them to understand and integrate gender perspective in their research and extension projects. The valedictory function on 10th September, 2015 was graced by the Chief Guest Dr. C. Satapathy, Director, AMITY, Bhubaneswar and Dr. S. K. Srivastava, Director (Acting), ICAR-CIWA. The Course team comprised Dr.H.K.Dash, Dr. J.C.Jeeva, Dr. Ananta sarkar, Dr. Sabita Mishra and Dr. Abha Singh.

Inception workshops of collaborative projects and outreach project

Inception workshops of all the collaborative projects were organized in the month of June, 2015 with their collaborative partners at ICAR-CIWA, Bhubaneswar

समन्वय डा. ज्योति नायक, डा. आभा सिंह, डा.एल.पी. साहू, सुश्री गायत्री महारणा तथा डा. एस.डी अरगड़े द्वारा किया गया।

'कृषि अनुसंधान एवं प्रसार में जेन्डर भागीदारी बढ़ाने' पर भा.कृ.अनु.प. द्वारा प्रायोजित लघु कोर्स का आयोजन:

'कृषि अनुसंधान एवं प्रसार में जेन्डर भागीदारी बढ़ाने' पर भा.कृ.अनु.प.द्वारा प्रायोजित लघु कोर्स का आयोजन भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.स.में 1-10 सितम्बर, 2015 के दौरान किया गया। लघु कोर्स का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री पंचानन कानूनगो, पूर्व वित्त मंत्री, ओडिशा सरकार ने गेस्ट ऑफ ऑनर श्री दिलीप कुमार सत्यपती, ब्यूरो चीफ, बिजनेस स्टैन्डर्ड एवं डा. एस के श्रीवास्तव, निर्देशक, भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.स. की उपस्थिति में 01 सितम्बर, 2015को किया। इस लघु कोर्स में सात राज्यों के 22 प्रतिभागियों जिनमें 18 महिलाएं एवं 4 पुरुष थे, ने भाग लिया। कुल 27व्याख्यान और प्रैक्टिकल सत्र पूरे कोर्स के दौरान आयोजित किए गए। इस कोर्स का उद्देश्य प्रतिभागियों को विभिन्न जेन्डर सम्बन्धित कान्सेप्ट एवं उनका कृषि में महत्व, प्रतिभागियों को उनके अनुसंधान में जेन्डर के मुदृदों की पहचान करने में मदद करना तथा उनके अनुसंधान एवं प्रसार मे जेन्डर भागीदारी को एकीकृत करना था। समापन समारोह के मुख्य अतिथि डा.सी सत्यपथी, निर्देशक, AMITY, भुवनेश्वर एवं डा.एस के श्रीवास्तव, निर्देशक, भा.कृ.अनु.प.– के.कृ.म.सं.थे। लघु कोर्स का संचालन डा. ए-के दाश, डा. जे सी जीवा, डा. अनन्त सरकार, डा. सबिता मिश्रा एवं डा. आभा सिंह द्वारा किया गया।

सहयोगी तथा आउटरीच परियोजनाओं की स्थापना (Inception) कार्यशाला

सभी सहयोगी परियोजनाओं की स्थापना कार्यशाला का आयोजन, परियोजना की कार्य योजना तथा भविष्य की रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए भा.कृ.अनु.प-के.कृ.म.

for finalizing the project action plan and future course of action. The Inception Workshops of Collaborative Project 'Empowerment of farm women through livestock technologies was held on 5th and 6th June, 2015, " Integrated farming system for improvement of nutrition and livelihood of farm women under different agro-ecosystems" was organized during 11th - 12th June, 2015, 'Livelihood and Nutritional Improvement of Tribal Farmwomen through Horticulture' was held on 17th June, 2015, "Empowerment of farm women for improved quality of life" was organized during 19th and 20th June,2015 and Inception workshop of Flagship project was held on 29th and 30th June, 2015 at ICAR- Central Institute for Women in Agriculture (ICAR-CIWA), Bhubaneswar under the Chairmanship of Dr. S. K. Srivastava, Director(Acting) , ICAR-CIWA.

A two days workshop was conducted on the topic 'Outreach Strategies for Dissemination of Institutional Innovations for Engendering Agriculture' during 22nd and 23rd, July 2015 at ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar. More than 100 participants representing various organizations of Odisha viz: NABARD, ICAR- CRRI, OUAT, Utkal University, R.D. Women University, KIIT University, Xavier Institute of Management, ORMAS, OTELP, SIRD, MSME-DI, APICOL, Odisha Watershed Mission, Odisha Water Resource Department, Quality Control Cell (QCC), WALMI, M.S. Swaminathan Research Foundation, Research scholars, Entrepreneurs, NGOs etc. working for women empowerment participated in the workshop. There were about 25 lectures organized under 5 theme areas related to outreach strategies of different stakeholders to reach rural women.

सं, भुवनेश्वर में जून, 2015 में किया गया। 'पशुधन प्रौद्योगिकी के माध्यम से कृषक महिलाओं का सशक्तिकरण' परियोजना की कार्यशाला 5-6 जून, 2015 को, 'एकीकृत कृषि प्रणाली के माध्यम से विभिन्न कृषि पारिस्थिक तंत्र की कृषक महिलाओं के पोषण एवं आजीविका में सुधार', परियोजना की कार्यशाला 11-12 जून, 2015 को, 'बागवानी के माध्यम से जनजातीय कृषक महिलाओं के पोषण और आजीविका में सुधार' परियोजना की कार्यशाला 17 जून, 2015 को तथा 'जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए कृषक महिलाओं का सशक्तिकरण' परियोजना की कार्यशाला 19-20 जून, 2015 को आयोजित की गई। प्लैगशिप परियोजना की कार्यशाला 29-30 जून, 2015 को आयोजित की गई। सभी कार्यशालाओं की अध्यक्षता निदेशक, डा एस के श्रीवास्तव ने की।

एक दो दिवसीय कार्यशला 'कृषि एनजेन्डरिंग के लिए के संस्थागत प्रौद्योगियों के प्रसार के लिए आउटरीच रणनीतियाँ' पर भा.कृ.अनु.प-के.कृ.म.सं, भुवनेश्वर में 22-23 जुलाई, 2015 को आयोजित की गई। ओडिशा के विभिन्न संस्थानों जैसे - नावार्ड, भा.कृ.अनु.प-सीआरआरआई, ओयूएटी, उत्कल विश्वविद्यालय, आरडी महिला विश्वविद्यालय, के. आई.आई.टी विश्वविद्यालय, जेबियर इंस्टिट्यूट ऑफ मैनजमेंट, ऑरमास, ओटीपी, एपीकोल, ओडिशा जल संसाधन विभाग, गुणवत्ता नियंत्रण प्रकोष्ठ, वालमी, एम एस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन, शोधार्थी, उद्यमियों, गैर सरकारी संगठनों के लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में ग्रामीण महिलाओं तक पहुँचने के लिए विभिन्न हितधारकों द्वारा 5 विषय क्षेत्रों के 25 व्याख्यान प्रस्तुत किए गए।

TRAINING PROGRAMMES FOR FARMERS/FARM WOMEN

A Training-cum-demonstration programme on "Processing and value addition of fruits" was organized during 4th -6th June, 2015 in Sakhigopal of Puri district under the project 'Development of resource efficient horticulture model for livelihood improvement of rural women'. Twenty farm women participated in the programme. The training was coordinated by Dr Naresh Badu, Dr Abha Singh and Dr Kushgra Joshi.

किसानों/कृषक महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

'फलों के प्रसंस्करण और मूल्य संबर्धन' पर एक प्रशिक्षण सह-प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन 'ग्रामीण महिलाओं की आजीविका में सुधार के लिए संसाधन कुशल बागवानी मॉडल' का विकास परियोजना के अन्तर्गत पुरी जिल्ले के साखीगोपाल में 4-6 जून, 2015 को किया गया। बीस कृषक महिलाओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय डा. नरेश बाबू, डा.आभा सिंह तथा डा. कुशाग्र जोशी ने किया।

Scientists-Farmers Interface Meetings were organized under the Collaborative Project on 'Livelihood and Nutritional Improvement of Tribal Farmwomen through Horticulture' in two tribal villages Kamaninga and Binjharpur of Dhenkanal district in Odisha on 25th July 2015. About 45 tribal families benefitted through distribution of improved varieties of vegetable seeds for nutritional and livelihood support. In both the interface meetings, the farmers were imparted knowledge and skill on improved methods and frontline demonstration of raising quality vegetables seedlings using protrays . The programmes were conducted by Dr. Naresh Babu and Dr. J. Charles Jeeva.

वैज्ञानिक-किसान इण्टरफेस का आयोजन सहियोगी परियोजना 'बागवानी के माध्यम से जनजातीय कृषक महिलाओं के आजीविका एवं पोषण में सुधार' के अन्तर्गत डेंकानेल जिले के दो आदिवासी गॉवों, कमानीनगा तथा बिन्झारपुर में 25 जुलाई, 2015 को किया गया। लगभग 45 आदिवासी परिवार उन्नत किस्मों के बीज वितरण से लाभान्वित हुए। दोनों बैठकों में प्रोट्रे का उपयोग कर उन्नत किस्म के पौध उत्पादन के बारे में ज्ञान एवं कौशल प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डा. नरेश बाबू और डा. जे.चार्ल्स जीवा द्वारा किया गया।

A Trainingcum-demonstration programme for 18 fisherwomen from Samudram Fisherwomen Federation, Ganjam District, Odisha on "Preparation of silage from fish waste and its use as organic manure" was conducted on 9th September, 2015. The training was coordinated by Dr Tanuja. S and Dr Anil Kumar.

'मछली अपशिष्ट से सिलेज तैयार करना तथा उसका जैविक खाद के रूप में उपयोग' पर एक प्रशिक्षण-सह-प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन 18 मछुआरा महिलाओं जो कि समुद्रम मछुआरा महिला फेडरेशन गंजाम, ओडिशा की थीं, के लिए 9 सितम्बर, 2015 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का समन्वय डा. तनुजा एस तथा डा.अनिल कुमार ने किया।

A Stakeholders' Meet was organized on "Convergence of Gender Friendly Programmes and Policies in Agriculture" in collaboration with All India Radio, Cuttack on 11th September, 2015 at ICAR-CIWA. About 60 participants from various organizations like ICAR, SAU, Line Departments, etc. attended the programme.

'कृषि में जेन्डर अनुकूल कार्यक्रम और नीतियों के कन्वर्जेंस' पर एक हितधारक बैठक का आयोजन ऑल इंडिया रेडियो, कटक के सहियोग से भा.कृ.अनु.प-के.कृ.म.सं में 11 सितम्बर, 2015 को आयोजित किया गया जिसमें विभिन्न संगठनों के लगभग 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

Scientist Farmer interface meeting was Organised under the collaborative project "Integrated Farming System for improvement of nutrition and livelihood of farm women under different agro-ecosystems" at Sankharidiha Village, Dharmasala Block of Jajpur district on 15th September, 2015. The rural women were made aware of the importance of setting up nutrition garden in their backyards. The farmers' queries on deficiency diseases in paddy were addressed. The programme was co-ordinated By Dr S.K Srivastava, Dr Abha Singh and Dr Tanuja.S

A poultry field day was organized on 29th September, 2015 in Guptapada village in which about 100 farm women/farmers participated. An interaction session took place through question-answer between scientists and farm women/farmers.

एक वैज्ञानिक-किसान इण्टरफेस का आयोजन 'एकीकृत कृषि प्रणाली के माध्यम से विभिन्न कृषि पारिस्थिक तंत्र की कृषक महिलाओं के पोषण एवं आजीविका में सुधार' सहयोगी परियोजना के अन्तर्गत 15 सितम्बर, 2015 को जाजपुर जिले के धर्मशाला ब्लॉक के संखारीडिहा गाँव में किया गया। ग्रामीण महिलाओं को घर पिछवाड़े पोषण उद्यान की स्थापना के महत्व से अवगत कराया गया। धान में पोषण तत्वों की कमी रोगों पर पूछे गए प्रश्नों को संबोधित किया गया। कार्यक्रम का समन्वय डा.एस के श्रीवास्तव, डा.आभा सिंह एवं डा.तनुजा एस ने किया।

एक मुर्गी पालन क्षेत्र दिवस का आयोजन 29 सितम्बर, 2015 को गुप्तपाड़ा गाँव में किया गया जिसमें 100 कृषक/कृषक महिलाओं ने भाग लिया। एक वैज्ञानिक-किसान बातचीत का आयोजन सवाल-जबाव के माध्यम से किया गया।

MASS MEDIA PROGRAMMES

Dr Sabita Mishra participated in a phone in programme on " Agro enterprises for farm women" on 17th July, 2015 at Doordarshan Kendra (DDK) , Bhubaneswar. She delivered a talk on SHG formation, management and sustainability on 10th September 2015 at DDK, Bhubaneswar

मास मीडिया कार्यक्रम

डा. सबिता मिश्रा ने दूरदर्शन केन्द्र, भुवनेश्वर के कार्यक्रम 'कृषक महिलाओं के लिए कृषि उद्यम' में फोन वार्ता में 17 जुलाई, 2015 को भाग लिया। उन्होंने दूरदर्शन केन्द्र, भुवनेश्वर में 'स्वयंसहायता समूह गठन, प्रबंधन और स्थिरता' विषय पर एक वार्ता 10 सितम्बर, 2015 को दिया।

PROMOTION / APPOINTMENT / TRANSFER

Dr. Kushgra Joshi, Scientist, relieved to join ICAR-VPKAS, Almora after transfer on 15.06.2015.

Dr. A.K.Panda, Principal Scientist Joined the institute on 01.07.2015 after transfer from ICAR-DPR, Hyderabad.

पदोन्नति / नियुक्ति / स्थानान्तरण

डा. कुशाग्रा जोशी वैज्ञानिक को अल्मोड़ा स्थानान्तरण होने पर 15.06.2015 को पद प्रभार मुक्त किया गया।

डा. ए. के . पण्डा, प्रधान वैज्ञानिक ने ICAR-DPR से स्थानान्तरण के बाद भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं, में 01.07.2015 को प्रभार ग्रहण किया।

DISTINGUISHED VISITORS

Dr. A. K. Singh, Deputy Director General (Agricultural Extension), ICAR, New Delhi visited the ICAR-Central Institute for Women in Agriculture (ICAR-CIWA), Bhubaneswar on 18th June 2015. On this occasion, Dr. S. K. Srivastava, Director (Acting), ICAR-CIWA extended a warm welcome to the dignitary and briefed him about the

विशिष्ट आगंतुक

डा.ए.के.सिंह, उपमहानिदेशक (कृषि विस्तार) भा.कृ.अनु.प, नई दिल्ली ने 18 जून, 2015 को भा.कृ.अनु.प-के.कृ.म.सं, भुवनेश्वर का दौरा किया। इस अवसर पर निदेशक, डा. एस. के.श्रीवास्त्व ने गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया तथा संस्थान की तथा अ.भा. स.अनु.प गृहविज्ञान की अनुसंधान एवं विस्तार

research and extension activities carried out with gender perspectives in this Institute and the All-India Coordinated Research Project (AICRP) on Home Science, and its ongoing projects on gender mainstreaming. It was followed by an interactive session, in which the DDG advised the Scientists to have maximum collaboration with external Institutions, especially with the KVKs for better outreach. He also suggested to create a huge database on gender, and to keep the 'gender and nutrition integration' as its focus area in the Institute's projects

गतिविधियों और चल रही परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। इसके बाद बातचीत सत्र में उपमहानिदेशक ने वैज्ञानिकों को बाहरी संस्थाओं विशेषकर कृषि विज्ञान केन्द्रों के साथ अधिकतम सहियोग करने की सलाह दी। उन्होंने जेन्डर पर एक विशाल डेटाबेस बनाने तथा संस्थान की परियोजनाओं में 'जेन्डर एवं पोषण एकीकरण' पर ध्यान केन्द्रित करने की सलाह दी।

Dr. N. S. Rathore, Deputy Director General (Agricultural Education), ICAR, New Delhi visited ICAR-CIWA on 20th August, 2015 and had a meeting with the staff of ICAR-CIWA. The meeting started with oath taking on the occasion of Sadvabana Diwas followed by brief presentation by Dr. S. K. Srivastava, Director (Acting), ICAR-CIWA on the research and development activities of the Institute. In his address, Dr. Rathore, stressed upon the importance of the Institute in global context, appreciated the work of the Institute and highlighted the future opportunities for the betterment of the Institute. He also urged the scientists and other staff of the Institute for more focused research with gender perspective.

डा.एन.एस.राठौड, उपमहानिदेशक (कृषि शिक्षा), भा.कृ. अनु.प., नई दिल्ली ने 20 अगस्त, 2015 को भा.कृ.अनु. प-के.कृ.म.सं, का दौरा किया तथा संस्थान के कर्मचारियों के साथ बैठक की। बैठक की शुरूआत सद्भावना दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण के साथ हुई एवं उसके बाद निदेशक डा.एस.के.श्रीवास्तव ने संस्थान की अनुसंधान और विकास गतिविधियों पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी। अपने संबोधन में डा. राठौड़ ने वैश्विक संदर्भ में संस्थान के महत्व पर बल दिया, एवं संस्थान के काम की सराहना की और संस्थान की बेहतरी के लिए भविष्य के अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने वैज्ञानिकों और अन्य कर्मचारियों को जेन्डर केन्द्रित अनुसंधान करने का आग्रह किया।

TRAINING/SYMPOSIUM/CONFERENCES/WORKSHOPS/EXHIBITION ATTENDED

Name and designation of the Scientist	Training details/ subject matter	When & Duration	Venue
Dr Sabitha Mishra Principal Scientist	Exhibition on the occasion of 69th Foundation Day of CRRI, cuttack and Dhan Diwas	23rd April,.2015.	CRRI, Cuttack
Dr. J. Charles Jeeva Senior Scientist	ICAR Short Course on Communication & Management Skills for Extension Professionals	1st to 10th June 2015	ICAR-NAARM, Hyderabad

Name and designation of the Staff	Training details/ subject matter	When & Duration	Venue
Dr Tanuja.S, Scientist	Zilla Krushak Sammelan	20th July, 2015	KVK Khordha, ICAR-CIFA, Bhubaneswar
All Scientific and Technical Staff of ICAR-CIWA	Work shop on "Outreach Strategies for Dissemination of Institutional Innovations for Engendering Agriculture"	22nd- 23rd July, 2015	ICAR-CIWA
Dr. Tanuja, S. Scientist	ICAR Short Course on Promoting Occupational Safety and Drudgery Reduction among Farmwomen	1st-10th August , 2015	ICAR-CIWA, Bhubaneswar
All Scientific and Technical Staff of ICAR-CIWA	National Symposium on "Women's Land Rights, Access to Agri-resources and Services in Changing Development Scenario"	19th-21st August, 2015	ICAR-CIWA & OXFAM
Dr. Tanuja, S. Scientist	Capacity Building programme on "Value Chains, Agricultural Development, and Public Policy: Qualitative and Quantitative Approaches"	24th - 30th August, 2015	International Food Policy Research Institute (IFPRI), New Delhi
Dr. Biswanath Sahoo Sr. Scientist and Dr. Argade Shivaji, D. Scientist	ICAR Short Course on Strengthening Gender Perspective in Agricultural Research and Extension	1st-10th September, 2015	ICAR-CIWA, Bhubaneswar
Dr Laxmipriya Sahoo, Scientist and Dr Argade Shivaji, D. Scientist	Exhibition on the occasion of 60th anniversary of Bharat Krishak Samaj	16th October 2015	Odisha Krushak Samaj, Bhubaneswar

Editors : Dr. (Smt.) Abha Singh
: Dr. Tanuja. S

Published by : Dr. S.K. Srivastava, Director (Acting)
ICAR- Central Institute for Women in Agriculture, PO- Baramunda, Bhubaneswar -751 003, Odisha, Phone- 0674-2386241
Fax- 0674-2386242

Email : director.ciwa@icar.gov.in

Website : http://www.icar-ciwa.org.in

सम्पादक : डा. (श्रीमती) आभा सिंह
: डा. तनुजा. एस

प्रकाशन : डा. एस. के. श्रीवास्तव, निदेशक (कार्यकारी)
भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, डाकघर-बरमुण्डा, भुवनेश्वर – ७५१ ००३, ओडिशा
दूरभाष : ०६७४-२३८६२४१,
फैक्स : ०६७४-२३८६२४२

ई-मेल : director.ciwa@icar.gov.in

वेबसाइट : http://www.icar-ciwa.org.in